vU; igy vkj mÙkjkÙkj ;kstuk

- **ovjgkmlks dk vixzM'ku %** चुने हुए वेअरहाउसों (संख्या 144) के इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड किया जाएगा। वर्ष 2015–16 में 51 वेअरहाउसों में अपग्रेडेशन का कार्य किया जा रहा है और शेष वेअरहाउसों को चरणबद्ध रूप से वर्ष 2016–17 तथा 2017–18 में अपग्रेड किया जाएगा।
- **dEI;Vjhdj.k %** केन्द्रीय भंडारण निगम इंटीग्रेटेड बिजनस मैनेजमैंट सोल्यूशन (आईबीएमएस) प्रोजैक्ट के कार्यान्वयन के लिए कार्य कर रहा है । निगम की सभी प्रचालन यूनिटों को इस प्रोजैक्ट के साथ जोड़ा जाएगा ताकि निगमित कार्यालय एवं क्षेत्रीय कार्यालय दोनों के स्तर पर शीघ्र निर्णय लिए जा सकें । विक्रेता के साथ संविदा पर हस्ताक्षर के पश्चात, कार्यान्वयन का कार्य 2 चरणों में क्रमश: 12 एवं 6 महीनों में पूरा किया जाएगा। इस कम्प्यूटरीकरण का उद्देश्य किसानों, ग्राहकों, विक्रेताओं, कार्मिकों एवं अन्य हितधारियों को दी जाने वाली सेवाओं में सुधार करना है । इस कार्यान्वयन को 2016–17 के प्रारंभ में ही शुरू किया जा रहा है।
- **HkMkj.k {kerk e; of) %** निकट भविष्य में निगम की लगभग 5 लाख मी.टन की भंडारण क्षमता को ऐमेजॉन, फ्लिपकार्ट और स्नैपडील जैसी ई–कॉमर्स कंपनियों द्वारा लिए जाने की संभावना है । इसके अतिरिक्त केन्द्रीय भंडारण निगम द्वारा ई–कॉमर्स ट्रेड द्वारा प्रस्तावित अवसरों को प्राप्त करने के लिए परामर्श हेतु भी पहल की गई है । वर्ष 2016–17 में इसके सफल होने की संभावना है ।
- **cgefty ovjgkml %** कोच्चि में बहुमंजिला वेअरहाउस का निर्माण किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, बंगलौर में बहुमंजिला वेरहाउस के लिए कम लागत प्रौद्योगिकी हेतु प्रयास किया जा रहा है।
- **eDdk ¼d,u½ dk l[kku dh lfo/kk %** बिहार में कॉर्न प्रक्योरमैंट केन्द्रों के लिए लॉजिस्टिक सोल्यूशन के साथ सुखाने (ड्राइंग) की सुविधा को आगामी परियाजना के रूप में लिया जा रहा है।
- **,vj ÝV LVs'ku %** सीएफएस क्रौमपेट, सिंगनालुर एवं वरना (गोवा) में एअर फ्रेट स्टेशन स्थापित किया जा रहा है।
- **çkboV ÝV Vfeuy ¼ih,QVh½ %** रेल मंत्रालय की संशोधित पीएफटी नीति के अनुसरण में, निगम ने उत्तरी रेलवे प्रशासन के क्षेत्राधिकार में दो ब्राउनफील्ड प्राइवेट फ्रेट टर्मिनल (पीएफटी) के विकास एवं प्रचालन हेतु आवेदन किया था । वर्ष के दौरान बामनहेड़ी (मुजफ्फरनगर) एवं नाभा (पंजाब) में दो ब्राउनफील्ड प्राइवेट फ्रेट टर्मिनल के विकास एवं प्रचालन के संबंध में प्रशासनिक अनुमोदन प्राप्त हो गया है जिनमें सिविल कार्य एवं इलैक्ट्रॉनिक इन–मोशन वेब्रिजों को लगाने का कार्य किया जा रहा है, जिसके आधार पर उत्तर रेलवे द्वारा इन पीएफटी के लिए वाणिज्यिक अधिसूचना जारी की जाएगी।
- **lkbykt dh LFkkiuk %** नाभा स्थित अपने वेअरहाउस पर रेलमार्ग से जुड़े 50,000 मी.टन क्षमता के साइलोज की स्थापना की जाएगी । भविष्य में राज्य और केन्द्रीय एजेन्सियों की आवश्यकतानुसार अन्य रोड आधारित साइलोज लिए जाएंगे।
- **iVkiky e; u;k vkbZlhih %** जनवरी, 2016 के अंत तक पेट्रापोल में नए आईसीपी का प्रचालन आरंभ हो जाएगा।

nh?kdkfyd –f"V

- खाद्यान्नों के भण्डारण पर निर्भरता को कम किया जाएगा।
- औद्योगिक वेअरहाउसिंग और लॉजिस्टिक के भण्डारण की माँग को पूरा करने के लिए विविध प्रचालन शुरू किए जाएंगे । भण्डारण स्थान के वैकल्पिक इस्तेमाल के लिए अध्ययन शुरू किया जा चुका है।
- अगले 5 वर्षों में 5 से 7 लाख मी.टन के अतिरिक्त वेअरहाउसिंग क्षमता के निर्माण की योजना है।
- 2016–17 के दौरान कंटेनर्स के परिवहन के लिए बीएलसी रैक्स को लीज पर लिया/खरीदा जाएगा । इससे केन्द्रीय भंडारण निगम अपनी स्वयं की परिसंपत्तियों के माध्यम से कंटेनराइज ट्रैफिक को कुल लॉजिस्टिक सोल्यूशन प्रदान कर पाएगा ।

केन्द्रीय भण्डारण निगम

¼Hkkjr ljdkj dk miØe½

¼o;jgkÅfl x Hkou**

4/1, सीरी इंस्टीट्यूशनल एरिया, अगस्त क्रान्ति मार्ग, हौजखास, नई दिल्ली–110016

फोन : 26566107/26967712, फैक्स : 26967844/26518031, ई–मेल : warehouse@hub.nic.in, warehouse@nic.in, वेबसाइट : www.cewacor.nic.in

सी.डब्ल्यू.सी.

केन्द्रीय भण्डारण निगम

भारतीय अर्थव्यवस्था की सुनिश्चित सफलता एवं राष्ट्रीय व्यापार की समृ(में समर्पित

स्वच्छ भारत — एक कदम स्वच्छता की ओर

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

vkbZ-,l-vks- 9001 vkSj 14001 lEekfur

ISO 9001:2008 | ISO 14001:2004 | OHSAS 18001:2007

TÜVRheinland CERTIFIED

01 100 1328128 | 01 104 1328128 | 01 113 1328128

o"k 2014&15 vkj 2015&16 ¼vçSy&fnlacj] 2015½ ds nkSjku egRoiw.kZ igy vkSj miyfC/k;ka

केन्द्रीय भण्डारण निगम की स्थापना कृषि उत्पाद (विकास और वेअरहाउसिंग) कारपोरेशन्स अधिनियम, 1956 के अधीन 2 मार्च, 1957 को हुई और जुलाई, 1957 में इसने कार्य करना आरम्भ किया। तत्पश्चात, कृषि उत्पाद (विकास और वेअरहाउसिंग) कारपोरेशन्स अधिनियम, 1956 को निरस्त कर उसके स्थान पर वेअरहाउसिंग कारपोरेशन्स अधिनियम,1962 लाया गया। केन्द्रीय भण्डारण निगम का मुख्य उद्देश्य कृषि आदानों, उत्पादों और अन्य अधिसूचित वस्तुओं के लिए वैज्ञानिक भण्डारण की सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इसके अतिरिक्त, यह निगम आयात–निर्यात कार्गो के लिए कंटेनर फ्रेट स्टेशनों, अन्तर्देशीय क्लीयरेंस डिपुओं, लैण्ड कस्टम स्टेशनों तथा एअर कार्गो कॉम्प्लैक्स जैसी आधारभूत लॉजिस्टिक सुविधाएं भी प्रदान करता है।

1 जनवरी, 2016 को केन्द्रीय भंडारण निगम के 468 ovjgkml हैं जिनकी औसत भंडारण क्षमता 117-27 yk[k eh-Vu तथा औसत क्षमता उपयोगिता 80 प्रतिशत है। केन्द्रीय भंडारण निगम अनुसूची "क" मिनी रत्न श्रेणी– । का उपक्रम है जिसे आईएसओ:9001:2008:, आईएसओ:14001:2004 और ओएचएसएएस:18001:2007 द्वारा प्रमाणित किया गया है। यह वेअरहाउसिंग तथा लॉजिस्टिक के क्षेत्र में प्रमुख भूमिका निभाने वाला उपक्रम है जो अपने विभिन्न ग्राहकों को अवसंरचनात्मक सुविधाएं उपलब्ध कराता है, जिनमें सरकारी विभाग, गैर–सरकारी एजेंसियां, स्वायत्तशासी निकाय, सहकारी संस्थाएं, व्यापारिक घराने, बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ–साथ व्यापारी और किसान भी शामिल हैं।

egRoiw.kZ miyfC/k;ka

1- dqy vk; % केन्द्रीय भंडारण निगम ने वर्ष 2014–15 के दौरान अभी तक का सबसे अधिकतम 1562 करोड़ रूपए का टर्नओवर अर्जित किया है और सरकार को 20.21 करोड़ रूपए का लाभांश प्रदत्त किया है। वर्ष 2015–16 के दौरान 1600 करोड़ रूपए की आय अर्जित किए जाने की संभावना है ।

2- dj mijkUr ykHk % वर्ष 2013–14 के दौरान कर उपरान्त लाभ 161 करोड़ रूपए था जो 2014–15 के दौरान बढ़कर 182 करोड़ रूपए हो गया और वर्ष 2015–16 के दौरान आगे और अधिक 200 करोड़ रूपए तक बढ़ने की संभावना है ।

3- {kerk esa of) % वर्ष 2014–15 में 1.79 लाख मी.टन की क्षमता में वृद्धि की गई और वर्ष 2015–16 के दौरान भी देश भर में 1.66 लाख मी.टन की क्षमता में वृद्धि की जा रही है।

4- çpkyu {kerk % वर्ष 2013–14 में प्रचालन क्षमता 105.55 लाख मी.टन थी। वर्ष 2014–15 के दौरान 106.21 लाख मी.टन से बढ़कर यह अप्रैल से दिसंबर, 2015 के दौरान 117.27 लाख मी.टन हो गई।

5- {kerk mi;ksfxrk % वर्ष 2014–15 के दौरान क्षमता उपयोगिता 85.39 लाख मी.टन से बढ़कर अप्रैल से दिसंबर, 2015 के दौरान 93.81 लाख मी.टन हो गई।

6- gSMy fd, x, VhbZ;w % केन्द्रीय भंडारण निगम के सीएफएस/आईसीडी में वर्ष 2014–15 के दौरान 9.51 लाख टीईयू हैंडल किए गए और अप्रैल से दिसंबर, 2015 के दौरान 7.04 लाख टीईयू हैंडल किए गए।

7- HkaMkj.k gkfu % वर्ष 2013–14 और 2014–15 के दौरान भंडारण हानि 0.23 प्रतिशत थी। वर्ष 2015–16 के दौरान भंडारण हानि कम होकर 0.20 प्रतिशत तक होने की संभावना है ।

8- bVhxzsfVM psd iksLV ¼vkbZlhih½ rFkk yS.M dLVe LVs'ku ¼,y lh ,l½ dk çpkyu

निगम अटारी (अमृतसर) तथा अगरतला (त्रिपुरा) में दो आईसीपी का प्रचालन कर रहा है। त्रिपुरा के श्रीमंथपुर में हाल ही में शुरू हुआ लैंड कस्टम स्टेशन भी निगम द्वारा प्रचालित किया जा रहा है।

vkbZlhih&vVkjh % वर्ष 2014–15 के दौरान, आईसीपी–अटारी ने 79867 आयात–निर्यात ट्रक हैंडल किए तथा 50.30 करोड़ रुपए की आय अर्जित की और अप्रैल, 2015 से नवंबर, 2015 के दौरान 36247 आयात–निर्यात ट्रक हैंडल किए तथा 25.43 करोड़ रुपए की आय अर्जित की।

vkbZlhih&vxjryk % वर्ष 2014–15 में आईसीपी–अगरतला ने 30480 आयात–निर्यात ट्रक हैंडल किए तथा 7.14 करोड़ रुपए की आय अर्जित की। अप्रैल से दिसंबर, 2015 के दौरान 16829 ट्रक हैंडल किए तथा 4.13 करोड़ रुपए की आय अर्जित की।

vkbZlhih&isVªkiksy % वर्तमान वित्तीय वर्ष में पश्चिम बंगाल के पैट्रापोल में एक और आईसीपी का प्रचालन शुरू हो जाएगा।

इन सुविधाओं की स्थापना ने अन्तराष्ट्रीय व्यापार के लिए नया मार्ग खोला है एवं सुपोर्ट सेवाओं एवं सहायक व्यापार की मांग का सृजन कर प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार का निर्माण किया है। आयात–निर्यात कार्गो की मूवमेंट के लिए प्रचालनों को फ्लेक्सीबल बनाने के अतिरिक्त यह लॉजिस्टिक लागत एवं समय को कम करने में भी सहायता कर रहा है, जिससे उद्योग के लिए आपूर्ति श्रृंखला की दक्षता में सुधार हो रहा है।

9- ovjgkmlksa dk ekU;rk@iathdj.k

वर्ष के दौरान, निगम के 3 (तीन) और वेअरहाउसों (कर्नाटक में हुबली एवं गडक–1। एवं पंजाब में पठानकोट) का वेअरहाउसिंग विकास एवं विनियामक प्राधिकरण (डब्ल्यूडीआरए) से पंजीकरण किया गया है। इसके साथ ही, निगम द्वारा डब्ल्यूडीआरए के साथ 6 लाख मी.टन क्षमता के 178 वेअरहाउसों का पंजीकरण किया जा चुका है, जिनका उद्देश्य किसानों एवं अन्यं को डब्ल्यूडीआरए पंजीकृत वेअरहाउसों द्वारा जारी की गई निगोशिएबल वेअरहाउस रसीदों (एनडब्ल्यूआर) पर क्रेडिट सुविधाएं प्रदान करना है ।

10- ovjgkml jlhn QkbusfUlax

किसानों एवं व्यापारियों को लाभ प्रदान करने के लिए वेअरहाउस रसीद फाइनेंसिंग सुविधा देने हेतु 6 बैंको के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। वर्ष 2014–15 के दौरान, 11764 निगोशिएबल वेअरहाउसिंग रसीद जारी की गई हैं, जिनमें वस्तुओं का कवरिंग मूल्य लगभग 576.12 करोड़ रूपए है । वर्ष 2015–16 के दौरान (अप्रैल से दिसंबर) 8611 नेगोशिएबल वेअरहाउसिंग रसीद जारी की गईं जिनमें वस्तुओं का मूल्य 542.32 करोड़ रूपए था ।

11- xzhu ovjgkml

छिंदवाड़ा, छत्तीसगढ़ में 10000 मी.टन क्षमता के ग्रीन वेअरहाउस का निर्माण किया गया है ।

12- fuxfer lkekftd nkf;Ro ,oa lqfLFkj fodkl

केन्द्रीय भंडारण निगम निगमित सामाजिक दायित्व के प्रति महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व एवं संवेदनशीलता की भावना रखता है तथा अपने सामाजिक दायित्वों को पूरा करने के लिए जागरूक है। सामाजिक विकास तथा पर्यावरणीय सुस्थिरता प्राप्त करने के निगमित सामाजिक दायित्व के लक्ष्य के तहत कार्य किए गए । वर्ष 2014–15 के दौरान, विभिन्न निगमित सामाजिक दायित्व एवं सुस्थिर विकास गतिविधियों पर 376.27 लाख रूपए खर्च किए गए। वर्ष 2015–16 के दौरान नवंबर, 2015 तक सीएसआर/सुस्थिर विकास गतिविधियों पर खर्च करने के लिए 303.48 लाख रुपए के व्यय को अनुमोदन दिया गया।

13- o"kZ 2014&15 ds nkSjku fdlku foLrkj lsok ;kstuk

किसान विस्तार सेवा योजना कार्यक्रम वेअरहाउसों के आस–पास के किसानों को कवर करता है। वर्ष 2014–15 के दौरान निगम के प्रशिक्षित अधिकारियों द्वारा 314 केन्द्रों के 4933 गांवों का दौरा किया गया और 2,33,242 किसानों को प्रशिक्षित किया गया ।

14- o"kZ 2014&15 ds nkSjku dUæh; HkaMkj.k fuxe }kjk ^*MCY;wMhvkj, dh fuxksf'k,cy ovjgkml jlhn ç.kkyh** ij fdlkuksa ds fy, vk;kftr fd, x, tkx:drk çf'k{k.k dk;ZØe

यह प्रशिक्षण किसानों के लाभ के लिए आयोजित किया जाता है ताकि डब्ल्यूडीआरए की ओर से जारी की जाने वाली निगोशिएबल वेअरहाउस रसीद प्रणाली के बारे में किसानों को शिक्षित किया जा सके । वर्ष 2014–15 के दौरान निगम द्वारा इस प्रकार के 15 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा 750 किसानों को प्रशिक्षित किया गया ।

15- LoPN Hkkjr fe'ku

केन्द्रीय भंडारण निगम ने स्वच्छ भारत मिशन का लोगो और उसकी टैगलाइन अपनी सभी स्टेशनरी मदों, वार्षिक रिपोर्टों और पत्रिकाओं पर लगाना आरंभ कर दिया है। स्वच्छता अभियान के माध्यम से प्रत्येक तिमाही में एक बार कार्यालयों की पूरी सफाई की जाती है। केन्द्रीय भंडारण निगम के निगमित कार्यालय/क्षेत्रीय कार्यालयों की बिल्डिंग में प्रत्येक तल पर सफाई सुनिश्चित करने के लिए नोडल अधिकारी नामित किए गए हैं। निगम ने स्कूलों में टॉयलेट ब्लॉक बनवाने के लिए दिसंबर, 2015 में स्वच्छ भारत मिशन में एक करोड़ रुपए का योगदान दिया है। विभिन्न स्थानों पर 55 वर्षा जल संचयन संरचना का निर्माण किया जा रहा है।